प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
10.05.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

ड्रोन–पाकिस्तान

भारतीय सेना ने जम्मू के पास पाकिस्तानी चौकियों और आतंकवादी लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया है। यहां से टयूब लौन्च ड्रोन छोड़े जा रहे थे। इसके अलावा भारतीय सेना ने पाकिस्तान से लगी अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर स्थित बारामुला से भुज तक 26 स्थानों पर ड्रोन हमलों को विफल कर दिया। इनमें वे ड्रोन भी शामिल हैं जो, रिहायशी और सैनिक ठिकानों के लिए खतरा बन सकते थे। रक्षा सूत्रों के अनुसार हथियारों से लैस ड्रोन के माध्यम से फिरोजपुर, अमृतसर और पठानकोट सहित पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हमला करने की कोशिश की गई है, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने सफलता पूर्वक इन प्रयासों को नाकाम कर दिया। हालांकि फिरोजपुर में ड्रोन से एक मकान को नुकसान पहुंचा है और तीन लोग घायल हुए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है और उनके सुरक्षित होने की ख़बर है। इस बीच आज सुबह साढ़े 10 बजे विदेश व रक्षा मंत्रालय का मौजूदा स्थिति पर दिल्ली में मीडिया को जानकारी देने का कार्यक्रम है।

गृह मंत्रालय

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों व प्रशासकों को पत्र लिखकर सिविल डिफेंस नियमों के तहत आपातकालीन शक्तियां लागू करने को भी कहा है ताकि ऐहतियाती उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं।

दूसरी ओर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कहा है कि देश में गेंहू व चावल के भंडार पर्याप्त मात्रा में भरे हुए हैं। वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि दालों का बफर स्टॉक भी देश के पास उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि खाद्यन पदार्थों में किसी चीज की कोई कमी नहीं हैं।

और अभी खरीद की बात करें बफर स्टाक हम रखते है तो अगर आप देखेंगे धान की खरीद यह पिछले 8 मई तक के आकड़े है हमारे पास 5 सौ 39 दशमलव 88 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी जा चुकी है भण्डार भरें है और गेंहू भी अब तक गेंहू की खरीद जारी है लेकिन अब तक हम 2 सौ 67 दशमलव जीरो 2 लाख मीट्रिक टन किसानों से खरीदा जा चुका है और खरीद जारी है। गेंहू के भण्डार भी भरें है चावल के भण्डार भी भरें है दालों का बफर स्टॉक भी हमारे पास है किसी चीज की कोई कमी नहीं है।

राज्यपाल

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कल शिमला स्थित राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की। इस दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की जा रही रणनीतियों व तैयारियों की जानकारी राज्यपाल को दी।

इससे पहले राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शांति, कानून और व्यवस्था सहित सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के उदेश्य से शिमला स्थित राजभवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में राज्य की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह ओकांर शर्मा और पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा मौजूद रहें। राज्यपाल ने सभी संबंधित ऐजंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने राज्यपाल को अवगत करवाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्हें नियमित निगरानी, मॉक ड्रिल करने और सुरक्षित घरों स्थापना सहित आपदा प्रबंधन उपायों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

हवाई अड्डे–बंद

भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने 15 मई तक देश के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 32 हवाई अड्डों से उड़ानें अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। इन हवाई अड्डों में अमृतसर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, भुज, जामनगर, जैसलमेर, पठानकोट और अन्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों के भीतर एयर ट्रैफ़िकसेवा मार्गों के 25 खंड भी इस अवधि के दौरान बंद रहेंगे। एयर लाइनों को व्यवधान कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों की योजना बनाने की सलाह दी गई है। अस्थायी बंद परिचालन कारणों से है और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करकेइसका प्रबंधन किया जाएगा।

इलेक्ट्रिसिटी फैक्ट चेक

केंद्र सरकार ने विभिन्न सोशल मीडिया चैनलों के इन दावों को खारिज कर दिया है कि पाकिस्तान के साइबर हमले के कारण भारत की 70 प्रतिशत बिजली ग्रिड खराब हो गई है। पत्र सूचना कार्यालय की तथ्य जांच इकाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि ये दावे फर्जी हैं।

सुर्खियां समाचार पत्रों से.....

आज समाचार पत्रों ने अलग–अलग ख़बरों को प्रमुखता दी है।

अमर उजाला की सुर्खी है–बीबीएन में रात को उद्योग बंद, 15 मई तक उड़ानें नहीं, प्रवेश परीक्षा स्थगित। दैनिक भास्कर के शब्द हैं–हिमाचल से जालंधर–अमृतसर व जे.एंड.के. जाने वाली बसें रोकीं, 12 बस रूट स्थगित।

पंजाब केसरी मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिह सुक्खू के हवाले से लिखता है–पठानकोट, चंडीगढ़ व जम्मू–कश्मीर से लगते क्षेत्रों में सायरन बजा तो साथ लगते क्षेत्र में होगा ब्लैक आऊट। दैनिक जागरण लिखता है–सायरन बजते ही करें ब्लैकआउट। जबकि आपका फैसला का कहना है–सीमावर्ती जिलों के प्रशासन को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता।